राजकीय महाविद्यालय, कोटद्वार भाबर, पौड़ी गढ़वाल (उत्तराखण्ड)

''कुलगीत''

आओ नमन करें इस माटी को, जो देव भूमि की शान।
जिस धरती पर जन्में, राजा भरत महान।।

ऋषि कण्व के पावन तप का, जो करता गुणगान।
नैंसर्गिक छटा बिखेरे, ऋषि-मुनियों का ज्ञान।।

आओ नमन करें .....।

वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली हैं, जिस माटी की शान।
ये सिद्धबली की धरती, सिद्ध करे तप का मान।।

आओ नमन करें .....।

मॉ शारदे का वन्दन कर, ज्ञानदीप जलाना है।
जन-जन पथ आलोकित कर, पीयुष स्रोत बहाना है।।

आओ नमन करें .....।

आओ भाबर की पूण्य भूमि पर, सबका आह्वान करें।
ऋषि चरक की ज्ञानभूमि पर, शिक्षा की अलख भरें।।

आओ नमन करें .....।

मॉ शारदे के मन्दिर से नित, बने तेजस्वी और ज्ञानी।
राष्ट्र धर्म से संस्कारित हों, बने युवा स्वाभिमानी।।

आओ नमन करें .....।

आओ नमन करें। आओ नमन करें। आओ नमन करें।
आओ नमन करें इस माटी को, जो देव भूमि की शान।
जिस धरती पर जन्में, राजा भरत महान।।

प्रो0 राजीव रतन
रचनाकार/प्राचार्य